गृह मंत्री श्री अमित शाह ने CRPF का इतिहास बयान करती पुस्तक का विमोचन किया

गृह मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सीआरपीएफ का इतिहास बयां करती पुस्तक 'राष्ट्र प्रथम-82 वर्षों की स्वर्णिम गाथा' का विमोचन किया। पुस्तक इतिहासकार के निष्पक्ष दृष्टिकोण से बल के शानदार इतिहास को समय-समय पर हुए परिवर्तन व समाज में हुए व्यापक बदलावों के परिदृश्य के साथ प्रस्तुत करती है। 1939 से वर्तमान तक की घटनाओं के विवरण को समकालीन परिस्थितियों की पृष्ठभूमि के साथ उकेरा गया है। पुस्तक का विमोचन बल के पूर्व कार्मिकों के लिए एक प्रतीकात्मक सम्मान भी है चूँकि आज प्रथम CRPF वेटरन्स डे मनाकर नयी परंपरा की नींव भी रखी गयी है।

गृह मंत्री ने सीआरपीएफ कर्मियों को पुस्तक के लिए बधाई दी। उन्होंने बल की वीरता और बलिदान की सराहना करते हुए कहा कि बल का इतिहास और रौंगटे खड़े कर देने वाली शौर्य गाथाएं आने वाले वर्षों में बल के जवानों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत साबित होंगी। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस पुस्तक में नए अनुकरणीय अध्याय जुड़ते रहेंगे। बल की विशेष प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि अपने गठन से लेकर आज तक सौंपी गयी हर जिम्मेदारी पर खरा उतरा है तथा सी आर पी एफ के जवान विषम से विषम परिस्थिति में भी कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखते हैं.

डॉ ए.पी. माहेश्वरी महानिदेशक, सीआरपीएफ ने इस अवसर पर गरिमामयी उपस्थिति के लिए गृह मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में अवगत कराया कि पुस्तक माननीय प्रधानमंत्री की संस्थागत स्मृतियाँ संजोने की परिकल्पना के अनुरूप है जिससे कि आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन मिल सकेगा। महानिदेशक ने बल के सभी वीरों के नाम पुस्तक समर्पित की और अंतिम सांस तक राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि "जब तक दम है राष्ट्र प्रथम है, जब तक हम हैं राष्ट्र प्रथम है"

सीआरपीएफ अधिकारियों द्वारा अनुसंधान में सक्रिय समर्थन के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के व्यख्याता डॉ भुवन कुमार झा द्वारा संकलित यह पुस्तक, सीआरपीएफ संस्थानों, राष्ट्रीय अभिलेखागार, अन्य अभिलेखीय अभिलेखों, समकालीन समाचार पत्रों की रिपोर्टों में मौजूदा रिकॉर्ड से गहन और सावधानीपूर्वक किये गए शोध का परिणाम है। संसदीय कार्यवाही अभिलेखों का उपयोग भी महत्वपूर्ण चरणों में जन प्रतिनिधियों की CRPF के प्रति राय को उजागर करने के लिए किया गया है।

11 अध्यायों वाली इस पुस्तक में अनेक कालखंडों में बल के विस्तार और महत्वपूर्ण घटनाओं का विवरण है जैसे कि बल का गठन, हॉट स्प्रिंग्स और सरदार पोस्ट पर बलिदान, 1971 का भारत-पाक युद्ध, पंजाब, पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियान, विशेष बल आरएएफ और कोबरा, महिला बटालियन, विदेशी मिशन, वीआईपी सुरक्षा विंग, सिग्नल, प्रशिक्षण खेल और कल्याण आदि।

केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल